UA-132-R

B. A. (Part - III) Examination, 2023

(For Regular / Ex. Candidates)

हिन्दी साहित्य

Paper - I

(हिन्दी काव्य – 3)

(आधुनिक हिन्दी कविता)

Time allowed : **Three Hours**

Max. Marks : **100**

*This question paper contains **three** sections as under :*

Section-A **खण्ड–अ** **Max. Marks - 10**

This section contains one compulsory question with 10 parts. Answer of each part should not exceed 20 words. All questions carry equal marks.

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न है जिसमें 10 भाग हैं । प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 20 शब्दों से अधिक न हों । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Section-B **खण्ड–ब** **Max. Marks - 50**

This section contains 10 questions or explanations. Attempt 5 questions or explanations in all, selecting one question or explanation from each unit. Answer of each question or explanation should not exceed 250 words. All questions or explanations carry equal marks.

इस खण्ड में 10 प्रश्न अथवा व्याख्या है । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुये कुल 05 प्रश्नों अथवा व्याख्याएं के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों अथवा व्याख्याएं के अंक समान है ।

Section-C **खण्ड–स** **Max. Marks - 40**

This section contains 04 questions (questions may have sub-divisions). This section will cover all units but not more than one question from each unit. Attempt 2 questions in all. Answer of each question should not exceed 500 words. All questions carry equal marks.

इस खण्ड में 04 प्रश्न हैं, प्रश्न के भाग हो सकते है । इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा । कुल दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड – अ

1 सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

(i) 'यशोधरा' नामक खंड काव्य का प्रकाशन वर्ष है ?

(ii) 'ले चल मुझे भुलावा देकर' नामक रचना प्रसाद जी द्वारा रचित किस संकलन में संगृहीत है ?

(iii) 'छायावाद का घोषणा पत्र' नाम से पंत जी की कौनसी रचना जानी जाती है ?

(iv) महादेवी वर्मा को उनकी किस रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ?

(v) 'कितनी नावों में कितनी बार' किसकी रचना है ?

(vi) मुक्तिबोध द्वारा रचित काव्य संकलनों के नाम लिखिए ।

(vii) प्रगतिवाद की समय–सीमा लिखिए ।

(viii) छायावाद नाम का पहला प्रयोग किसने किया ?

(ix) मानववाद किसे कहते हैं ?

(x) फैंटेंसी से क्या आशय है ?

खण्ड – ब

इकाई - I

2 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

स्नेह निर्झर बह गया है !
रेत ज्यों तन रह गया है ।
आम की यह डाल जो सूखी दिखी,
कह रही है – 'अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते; पंक्ति मैं वह हूँ लिखी
नहीं जिसका अर्थ – जीवन दह गया है ।'
'दिये हैं मैने जगत को फूल–फल,
किया है अपनी प्रतिभा से चकित–चल;
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल–
ठाट जीवन का वही, जो ढह गया है ।'

अथवा

3 'पेशोला की प्रतिध्वनि' में वर्णित विचारों का विश्लेषण कीजिए ।

इकाई - II

4 सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

तुमुल तम में जब एकाकार
ऊँघता एक साथ संसार,
भीरु झींगुर–कुल की झंकार
कँपा देती निद्रा के तार
न जाने, खद्योतों से कौन
मुझे पथ दिखलाता तब मौन !

कनक छाया में जबकि सकल
खोलती कलिका उर के द्वार
सुरभि पीड़ित मधुपों के बाल
तड़प, बन जाते हैं गुंजार;
न जाने, ढुलक ओस में कौन
खींच लेता मेरे दृग मौन !

बिछा कार्यों का गुरुतर भार
दिवस को दे सुवर्ण अवसान,
शून्य शय्या में श्रमित अपार,
जुड़ाता जब मैं आकुल प्राण;
न जाने, मुझे स्वप्न में कौन
फिराता छाया–जग में मौन !

अथवा

5 पाठ्यक्रम में संकलित कविता के आधार पर नागार्जुन की कविताओं का वैशिष्ट्य वर्णित कीजिए ।

इकाई - III

6 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

माँ है वह ! है, इसी से हम बने हैं ।
किंतु हम हैं द्वीप । हम धारा नहीं हैं ।
स्थिर समर्पण है हमारा । हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के ।
किंतु हम बहते नहीं हैं । क्योंकि बहना रेत होना है ।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं ।
पैर उखड़ेंगे । प्लवन होगा । ढहेंगे । सहेंगे । बह जाएँगे ।
और फिर हम चूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते ?
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गँदला ही करेंगे ।
अनुपयोगी ही बनाएँगे ।
द्वीप हैं हम ! यह नहीं है शाप । यह अपनी नियती है ।
हम नदी के पुत्र हैं । बैठे नदी की क्रोड में ।
वह बृहत भूखंड से हम को मिलाती है ।
और वह भूखंड अपना पितर है ।

अथवा

7 'आत्महत्या के विरुद्ध' कविता की मूल संवेदना का वर्णन कीजिए ।

इकाई - IV

8 छायावादी कविता की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

अथवा

9 द्विवेदी युग के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए ।

इकाई - V

10 मिथक का अर्थ स्पष्ट करते हुए हिंदी के मिथक आधारित काव्य का परिचय दीजिए ।

अथवा

11 आधुनिक हिंदी कविता में अस्तित्ववाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड – स

12 यशोधरा का निरवधि विरह अत्यंत कारुणिक है । विरह की दारुणता से भी अधिक उसको खलता है प्रिय का 'चोरी–चोरी जाना' । कथन के आलोक 'यशोधरा' नामक काव्य की समीक्षा कीजिए ।

13 सुमित्रानंदन पंत की कविताओं के आधार पर सिद्ध कीजिए कि पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं ।

14 'मोचीराम कविता के माध्यम से कवि ने तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था पर व्यंग्य किया है ।' कथन के पक्ष में अपने तर्क दीजिए ।

15 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(क) मार्क्सवाद

(ख) प्रतीक

(ग) प्रयोगवाद की विशेषताएँ

(घ) नई कविता के कवि

https://www.uokonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से